आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 जून 2024 भोजपुरी समाचार

प्रदेस क मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु इमरजेंसी के पचासवां बरिस में कांग्रेस आ ओकरे सहजोगी दलन पर जमि के बरसलें। अपने सरकारी आवास पर प्रेस वार्ता करत मुख्यमंत्री कहलें कि आजु जब पचास बरिस के बाद हम्मन के इमरजेंसी के यादि करी लां त स्वभाविक रूप से भले कांग्रेस में चेहरा बदलल होई, बाकिर ओकर चरित्र आ हावभाव अजुओ ओन्नइस सौ पचहत्तर जइसन हौ। ओहर समय कांग्रेस क एगो बरबर चेहरा देखे के मिलल रहे। ऊ संविधान क मूल आत्मा प्रियंबल में बदलाव कइ के ओकरे आत्मा के खतम कइले क कोसिस कइले रहे। श्री योगी कहलें कि कांग्रेस ओह समय जनता क मौलिक अधिकार अउर न्यायालय के अधिकार के बंधक बना दिहले रहे अउर अजुओ कांग्रेस क उहे चरित्र हौ।

श्री योगी कहलें कि पचास बरिस पहिले अजुये के दिन्ने देर राति एगो काला अध्याय लिखल गइल रहे, जब कांग्रेस क ओह समय क सरकार संविधान क गला घोंटत लोकतंत्र के खतम कइले क साजिस रचले रहे। ओन्नइस सौ पचहत्तर में लोकतंत्र के खतम कइले क कोसिस कइल गइल रहे। ओह समय अटल बिहारी वाजपेई, मोरारजी देसाई, जय प्रकाश नारायण, लाल कृष्ण आडवाणी के सथहीं सज्जो बिपक्षी नेता लोगिन के जेलि में बन्द कइ के लोकतंत्र क गटई घोंटले क कोसिस कइल गइल रहे।

मुख्यमंत्री कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व पर हमला करत कहलें कि ई लोगि आजु लोकतंत्र क दुहाई देत हवें, बाकिर भारत के बहरे जा के लोकतंत्र के कटघरा में खड़ा करे लें अउर चुनाव प्रणाली पर सवाल उठावे लें। ईहे नाहीं देस में हर चुनाव प्रक्रिया में बाधा डारि के ईवीएम के उप्पर अपने कमी क दोस थोपले क कोसिस करे लें। दुपहरिया बाद गोरखपुर पहुंचले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आपातकाल के पचास बरिस के मौका पर गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में एगो संगोस्ठियो में कांग्रेस के घेरलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अगुवाई में आजु प्रदेस कैबिनेट कई गो महत्वपूर्ण फैसिला लिहले हौ। बनारस, बरेली अउर मुरादाबाद विकास प्राधिकरण क सीमा बिस्तार के प्रस्ताव के मंजूरी दिहले के सथहीं नोएडा में मेट्रो लाइनि के बिस्तारो के मंजूर कइल गइल। अजोध्या में टाटा संस की ओरि से छौ सौ पचास करोड़ रूपिया के लागति से मंदिर संग्रहालय बनावल जाई। एकरे बदे पर्यटन विभाग एक रूपिया क लीजि पर जमीनि दियाई। येही तरियन पर्यटन विभाग क बन्द चलि रहल आश्रयगृह के पीपीपी मॉडल पर तीस सालि बदे लीजि पर दीहल जाई। लखनऊ, प्रयागराज अउर कपिलवस्तु में पीपीपी मॉडल पर हैलीपोर्ट बनावल जाई। गोरखपुर में परमहंस योगानन्द क जनमस्थली के पर्यटन स्थल के रूप में बिकसित कइलहू पर सहमति बनल। एकरे बदे पर्यटन विभाग के मुफ्त जमीनि दीहल जाई। बइठकी में अजोध्या कैंट एरिया में तीनि सौ एक्यावन करोड़ चालीस लाख के लागति से सीवेज योजनो क प्रस्ताव पास भइल।

****

परिषदीय स्कूलन में अब लइकन क चारि बेर मूल्यांकन होई। अगस्त अउर दिसम्बर में सत्रीय परीक्षा होई। अक्टूबर में छमाहीं अउर मार्च में सलाना परीक्षा होई। तीनि बरिस पहिले कोरोना के नाते सालि में खाली दुइये बेरि मूल्यांकन हो पावत रहे। अब फेर से सत्रीय परीक्षा के सैक्षिक कैलेंडर बरिस दुइ हजार चउबीस–पचीस में सामिल कइल गइल हौ। महानिदेसक स्कूल सिक्षा कंचन वर्मा सज्जो बेसिक शिक्षा अधिकारियन के एके कड़ाई से लागू करवले क निरदेस दिहले हइनि। ओहीं कमजोर लइकन बदे काल्हि से अट्ठाइस जून ले छुट्टी के बाद तीस मिनट क उपचारात्मक कक्षा चलावल जाई। महानिदेसक स्कूल शिक्षा निरदेस दिहले हइनि कि अंगरेजी, गणित के सथहीं अउरियो बिसय में कमजोर लइकन के छुट्टी के बाद रोकल जाय अउर अलगि से पढ़ावल जाय। हर सनिच्चर के स्कूले में चौपाल लगावल जाय अउर अभिभावकन के एहमें बोलावल जाए।

****

मानसून सीजन सुरू भइले के नाते पीलीभीत टाइगर रिजर्व आजु संझा से पर्यटकन बदे बन्द कइ दिहल गइल। आजु आखिरी दिन्ने ढेरि संख्या में पर्यटक पहुंचलें। प्रभागीय वनाधिकारी बतवलें कि येह सत्र में सबसे बेसी चउवन हजार सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व क सैर कइलें।

****

बीजेपी क वरिष्ठ सांसद ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष पद खातिर एनडीए क ओम्मेदवार होइहें जबकि बिपक्षी इण्डिया गठबंधन कांग्रेस क सांसद के. सुरेश के ओम्मेदवार बनवले हौ। दुन्नो ओम्मेदवार आजु आपन परचा भरलें। अध्यक्ष क चुनाव बिहने होई।

****